पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 16 मई 2019

तीन महीने में ही ग्रेनो मेट्रो के कार्ड और स्क्रीन डोर खराब

स्टेशनों पर लगे पैसेंजर इनफॉरमेशन डिसप्ले भी बंद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो को शुरू हुए करीब साढ़े तीन महीने का ही समय हुआ है, लेकिन अभी से ही यात्रियों के स्मार्ट कार्ड खराब होने लगे हैं। प्लेटफॉर्म पर लगाए गए स्क्रीन डोर बंद हो गए हैं। साधारण तरीके से ही यात्री मेट्रो में प्रवेश कर रहे हैं। स्टेशनों पर लगे यात्रि सूचना डिस्प्ले बोर्ड भी बंद हो गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जनवरी 2019 को नोएडा-ग्रेनो मेट्रो का शुभारंभ किया था। लोगों के लिए यह मेट्रो 26 जनवरी से शुरू की गई थी। इस लाइन पर सफर करने के लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने क्यू आर टिकट के साथ-साथ स्मार्ट कार्ड भी लोगों को देने का निर्णय लिया था। स्मार्ट कार्ड से सफर करने पर किराए में 10 प्रतिशत की छूट मिलती है। स्टेशनों से यह कार्ड एसबीआई बैंक की तरफ से जारी किए जा रहे हैं। अब इन स्मार्ट कार्ड में खराबी आनी शुरू हो गई है।

अब तक सभी स्टेशनों से 400 से 500 कार्ड को लोग वापस कर चुके हैं। एएफसी मशीन में कार्ड ठीक ढंग से रीड नहीं कर पा रहे हैं। इस वजह से स्टेशन के अंदर प्रवेश करने के लिए एएफसी गेट भी नहीं खुल पाते। इसी तरह लोगों की सुरक्षा के लिए स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाए गए थे।

इसके तहत स्टेशन के मेट्रो पर पहुंचने पर निर्धारित स्थान पर ही मेट्रो के गेट खुलते हैं। इस खुलने वाले स्थान पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाए गए थे। मेट्रो और इन डोर के समय में तालमेल में कमी आने के कारण यह खराब हो गए हैं। अभी यह सिस्टम काम नहीं कर रहा है। इसी तरह स्टेशनों पर लोगों को जानकारी देने के लिए लगाए गए पैसेंजर इनफारमेशन डिस्पले बोर्ड भी खराब हो गए हैं।

पैसा वापस आने में लग रहे दस दिन

कार्ड खराब होने पर इसको वापस करते समय तुरंत नया कार्ड मिल जाता है, लेकिन इसमें जो बैलेंस होगा उसको नए कार्ड में आने में 10 दिन का समय लग रहा है। डीएमआरसी के स्टेशनों पर तीन दिन में ही बैलेंस कार्ड में पहुंच जाता है। स्टेशनों से शुरुआत में स्मार्ट कार्ड लेने के लिए 300 रुपये देने पड़ रहे हैं। इसमें 100 रुपये कार्ड की कीमत और 200 रुपये का रिचार्ज शामिल है। अधिकतम 2 हजार का रिचार्ज कराया जा सकता है। स्मार्ट कार्ड लेने के लिए अब नगद पैसे ही लिए जा रहे हैं। दावा किया गया था कि जल्द ही इसका भुगतान कार्ड व अन्य ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकता है।